हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 11 नवंबर 2025

तापमान

अधिकतम 29 .5 डिग्री
न्यूनतम 4 .0 डिग्री

12 गत वर्ष की अपेक्षा पुलिस की अपराध नियंत्रण में सफलता

12 ट्रेनिंग में ललित कला व ड्राइंग के अध्यापकों ने कैनवास पर उकेरा धार्मिक व प्रकृति का सौंदर्य

खबर संक्षेप

सर्वजातीय सामूहिक विवाह के लिए 25 तक करा सकते पंजीकरण

रेवाड़ी। श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट के चेयरमैन रामकिशन अग्रवाल गंडाला वाले ने कहा कि सर्वजातीय सामूहिक विवाह का आयोजन एक सामाजिक प्रक्रिया है। इस आयोजन में समाज के सभी वर्गों को आगे आकर सहयोग करना चाहिए। की। विवाह के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 नवंबर रखी गई है। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी गोपाल शर्मा ने बताया कि सामूहिक विवाह का यह 23वां आयोजन होगा। प्रतिवर्ष मकर संक्रांति के अवसर 36 बिरादरी के लिए आयोजित होने वाले सर्वजातीय सामूहिक विवाह के लिए पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। समारोह में किसी भी जाति और समुदाय के लोग 25 तक पंजीकरण करा सकते हैं।

मारपीट व धमकी मामले में दो गिरफ्तार

कोसली। थाना कोसली पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर गत 29 अक्टूबर को कई आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पीड़ित ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने इस मामले में महेंद्रगढ़ के सीहोर निवासी सीहोर निवासी गौरव व रक्षक को गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद मौके से फरार हुए एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। फ्लाईओवर के पास सड़क हादसे में एक युवक घायल हो गया था। वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने घायल के बयान पर 8 नवंबर को केस दर्ज करने के बाद वाहन चालक की तलाश शुरू की थी। पुलिस ने इस मामले में गुरूग्राम के भोकरका निवासी रामबीर को गिरफ्तार कर लिया। तफ्तीश में शामिल करने के बाद आरोपी को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

संगठित अपराध के मामले में दो काबू

डहीना। पुलिस चौकी ने संगठित अपराध के तहत दर्ज मामले के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने प्रभावित पक्ष की शिकायत के आधार पर 20 सितंबर को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने कंवाली निवासी अरविंद और महेंद्रगढ़ के नांगल हरनाथ गांव निवासी प्रीतम को इस मामले में काबू कर लिया। बाद में दोनों आरोपियों को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

महिला से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉउल थाना पुलिस ने महिला के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर जलालपुर निवासी अभिमन्यु के खिलाफ केस दर्ज किया था। महिला को अस्पताल से मेडिकल भी कराया गया था।

गत वर्ष नवंबर माह में मिले से 154 डेंगू के मरीज, इस बार 10 दिन में 9 मरीज मिले

थमने लगे डेंगू के केस, तीन दिन से जिले में नहीं मिला कोई मरीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

■ घरों में लार्वा मिलने पर अब तक 3761 लोगों को थमाए गए नोटिस

सर्दी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। मौसम में बदलाव के कारण सरकारी व प्राइवेट असपतालों में खासी-जुकाम व बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। मौसम ठंडा होने से डेंगू मरीजों का आंकड़ा भी थमने लगा है। जिले में 8 नवंबर को दो डेंगू मरीज मिलने के बाद से कोई केस नहीं मिला है।

नवंबर माह के 10 दिनों में अभी तक 9 डेंगू के मरीज मिल चुके है, जिससे सीजन में डेंगू पॉजिटिव मरीजों का आंकड़ा 286 पर पहुंच चुका है। गत वर्ष इस समय डेंगू का आंकड़ा 283 था तथा गत वर्ष 2024 के नवंबर माह में डेंगू के 154 मरीज मिले थे, जिससे आंकड़ा 411 पर पहुंच गया था। पिछले दो वर्ष की तरह इस बार भी फोगिंग का कार्य सुस्त रहा। अब मिले कुल डेंगू मरीजों में 217 की प्राइवेट लैबों व 69 मरीजों की सरकारी लैब से पुष्टि की गई है। जिला मलेरिया अधिकारी व डिप्टी सीएमओ डा. अमित यादव के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की एमपीएचडब्ल्यू व ब्रीडिंग चेकर टीमें लगातार शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सोर्स रिडेक्शन का कार्य कर रही है तथा अब तक घरों में लार्वा मिलने पर 3761 लोगों को नोटिस दिए जा चुके है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें अब तक 2072154 घरों में लार्वा की जांच कर चुकी है।

286 पर पहुंचा आंकड़ा

रेवाड़ी। पानी की खेल में लार्वा की जांच करते स्वास्थ्य कर्मचारी, पानी की टंकी में लार्वा की जांच करते कर्मचारी, पशु खेल में लार्वा की जांच करते स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : हरिभूमि

फोगिंग के प्रति लापरवाह रही नप

पिछले दो वर्षों से डेंगू के सीजन में नगर परिषद की ओर से लापरवाही बरती जा रही है। इस वर्ष में फोगिंग कार्य करने में नगर परिषद सुस्त रही, जबकि स्वास्थ्य विभाग की ओर से नप को दवाई पहले ही दी जा चुकी थी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी डेंगू के मरीज मिलने वाले क्षेत्रों में ही फोगिंग कराई गई। सही ढंग से फोगिंग का कार्य नहीं होने के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ता रहा और डेंगू के मरीजों का आंकड़ा 286 तक पहुंच गया।

अब तक 4282 के लिए गए ब्लड सेंपल

मलेरिया हेल्थ हरिप्रकाश ने बताया कि इस वर्ष अभी तक डेंगू के 286 व मलेरिया के 14 केस मिल चुके है। जिले में अभी तक शहर में 123, बावल सीएचसी में 54, मीरपुर सीएचसी में 29, खोल सीएचसी में 51, गुरावड़ा सीएचसी में 15 व नाहड़ सीएचसी में 14 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिल चुके है। अब तक 4282 लोगों के ब्लड सेंपल लिए जा चुके है। सोमवारको 14 लोगों के ब्लड सेंपल लिए गए।

डेंगू से बचाव के लिए इन बातों पर करें अमल

डा. अमित यादव

मलेरिया अधिकारी डा. अमित ने बताया कि सर्दी का असर शुरू होने के साथ ही डेंगू के मरीजों की संख्या थमने लगी है। ये डेंगू बीमारी का पीक चल रहा है। जैसे-जैसे सर्दी तेज होगी, डेंगू के मरीज भी आना बंद हो जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार लोगों को डेंगू व मलेरिया के प्रति जागरूक कर रही है। लोग भी लापरवाही न बरत कर अपने घरों में पानी की टंकी, फ्रिज-ट्रे, गमले, पशु खेल व कूलर व अन्य सामानों की साफ-सफाई रखें। आसपास जमा पानी में काला तेल डालते रहे, जिससे मच्छर का लार्वा पनप न सकें। डेंगू व मलेरिया के लक्षण होने पर घबराने की जरूरत नहीं है।

आरोपी को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए एक दिन के रिमांड पर लिया

पुलिस ने हेरोइन तस्करी में सोर्स आरोपी को किया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रोहड़ाई थाना पुलिस टीम ने 16.59 ग्राम हेरोइन तस्करी के मामले में सोर्स आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। इससे पूर्व मामले में तस्कर सचिन उर्फ डॉक्टर निवासी गांव गुरावड़ा, सुरेंद्र निवासी गांव सुबाना जिला झज्जर व अमित निवासी गांव कडोदा जिला झज्जर को जेल भेजा जा चुका है। रोहड़ाई थाने से एएसआई हरविन्द्र कुमार ने बताया कि गत 5 नवम्बर को हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने नशा गतिविधियों पर रोकथाम अभियान तहत थाना रोहड़ाई क्षेत्र अंतर्गत एनएच-48 झज्जर से दिल्ली हाइवे पर नाकाबंदी कर एक स्विफ्ट गाड़ी में तस्कर सचिन उर्फ डॉक्टर निवासी गांव गुरावड़ा, सुरेंद्र निवासी गांव सुबाना जिला झज्जर व अमित निवासी गांव कडोडा जिला झज्जर को 16.59 ग्राम हेरोइन सहित धर दबोचा था। मामले में पुलिस ने तस्करी में सोर्स आरोपी गांव जीवडा निवासी दीपक को काबू किया है। आरोपी को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए एक दिन के रिमांड पर लिया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

भिवानी-ढेहर का बालाजी ट्रेन के सुधराना स्टेशन पर ठहराव की मांग, 11 गांवों के ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले के 11 गांवों के ग्रामीणों ने रेलवे महाप्रबंधक के नाम स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपकर गाड़ी संख्या 14705 भिवानी से ढेहर का बालाजी व गाड़ी संख्या 14706 ढेहर का बालाजी से भिवानी का सुधराना रेलवे स्टेशन पर ठहराव करने की मांग की है। सामाजिक कार्यकर्ता रामचन्द्र दहिया, सरपंच सुधराना श्यालूराम, सरपंच जुड्डी अजीत सिंह, सरपंच लिलोढ़ भगवान देव, इंस्पेक्टर महेन्द्र सिंह, अनिल राजपूत, राम सिंह, सुरेश मैनेजर, ब्रह्मप्रकाश, सत्यप्रकाश लिलोढ़ व प्राचार्य जगपाल ने बताया कि हिसार सेक्शन पर रेवाड़ी से 34 किलोमीटर की दूरी पर सुधराना रेलवे स्टेशन है।

रेवाड़ी। सुधराना स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपते हुए ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

13 गांवों के ग्रामीण करते हैं यात्रा

इस स्टेशन से गांव सुधराना, जुड्डी, लिलोढ, गोरिया, झासवां कला, धनिरवास, ढाणा, साल्हावास, साल्हावास की ढाणी, नाहड़ और कोहारड़ सहित 13 गांवों के ग्रामीण यात्रा करते हैं। 2022-2023 से पहले गाड़ी संख्या 14725 भिवानी मथुरा का सुधराना रेलवे स्टेशन पर पहुंचने का समय सुबह करीब 5:45 बजे का था। इस गाड़ी से प्रतिदिन यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों जिनको रेवाड़ी, पटौदी रोड, गुरुग्राम, दिल्ली तथा जयपुर जाना होता था तो रेवाड़ी से दूसरी गाड़ियां आसानी से मिल जाती थी, लेकिन उपरोक्त गाड़ी के समय पर गाड़ी संख्या 14705 भिवानी से ढेहर का बालाजी चला दी गई और इस गाड़ी का सुधराना रेलवे स्टेशन पर ठहराव नहीं दिया गया और गाड़ी संख्या 14725 भिवानी से मथुरा का समय सुबह 5:45 से बदलकर 6:45 कर दिया गया।

नौकरी पेशा यात्री परेशान

इस समय से पहले ऐसी कोई गाड़ी नहीं है, जिससे नौकरी पेशा यात्री रेवाड़ी जंक्शन पर पहुंच सकें। उन्होंने बताया कि इन 13 गांवों के करीब 600 जवान सेना और 250 जवान अर्ध सैनिक बलों में सेवारत हैं और करीब 200 दैनिक यात्री रेवाड़ी, पटौदी रोड, गुरुग्राम, दिल्ली, नारनौल, दादरी व भिवानी आदि शहरों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सुधराना रेलवे स्टेशन ब्लॉक स्टेशन है, इस पर 24 घंटे ड्यूटी स्टाफ रहता है, लेकिन फिर भी गाड़ी संख्या 14705 व 14706 का सुधराना रेलवे स्टेशन पर ठहराव नहीं दिया गया है। ग्रामीणों ने ढेहर का बालाजी से भिवानी का ठहराव सुधराना रेलवे स्टेशन पर देकर सेना में सेवारत जवानों व ग्रामीणों की समस्या का समाधान करने की मांग की है।

ज्वेलर्स की दुकान से सोना लेकर फरार हुआ नौकर काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर थाना पुलिस ने ज्वेलर्स की दुकान से 180 ग्राम सोना लेकर फरार हुए आरोपी नौकर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के जिला हुगली के गांव बेरापाडा निवासी सन्तु के रूप में हुई है। एएसआई विनोद कुमार ने बताया कि गत 21 अक्टूबर को मोहल्ला मुल्यानवाडा निवासी मवासी राम सोनी ने अपनी शिकायत में बताया था उसकी बारह हजारी में ज्वेलर्स की दुकान है। उसकी दुकान पर पश्चिम बंगाल के जिला हुगली के गांव बेरापाडा निवासी संतू करीब एक महीने से काम कर रहा था। 17 अक्टूबर को उसने संतू को जेवर बनाने के लिए 180 ग्राम सोना दिया था, जिसमे सोने की डाईया, तार, पन्तर व गोली चेन थे। सोना मिलने के बाद संतू बिना बताए कही लापता हो गया। उसका मोबाइल भी बंद आ रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने 8 नवंबर को मामले में संलिप्त आरोपी संतू को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए एक दिन के रिमांड पर लिया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

ऑपरेशन ट्रेकडाउन के तहत एक वांछित आरोपी काबू, अब तक 17 आरोपी दबोचे

■ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना शहर में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा में चलाए जा रहे ऑपरेशन ट्रैक डाउन के तहत जिला पुलिस ने फरार अपराधियों की धरपकड़ तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में जिला पुलिस ने इस ऑपरेशन तहत पूरी रूप रेखा तैयार की है। सोमवार को मॉडल टाउन थाना पुलिस टीम ने हत्या, फायरिंग व जानलेवा हमले के दो अलग-अलग मामलों में एक वांछित आरोपी को एक अवैध देशी पिस्टल, 2 मैगजीन व 10 जिंदा रोंद के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। डीएसपी बावल सुरेंद्र श्योराण ने बताया कि मॉडल टाउन एसएचओ रतन लाल ने टीम के साथ गुप्त सूचना के आधार पर मोहल्ला गुर्जरवाडा से एक वांछित अपराधी को एक अवैध देशी पिस्टल, 2 मैगजीन व 10 जिंदा रोंद के साथ काबू किया है। आरोपी की पहचान राजबीर उर्फ राज निवासी मोहल्ला गुर्जरवाडा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना शहर में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

कई बदमाश पुलिस की रडार पर

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी राजवीर उर्फ राज गत 23 अगस्त को मोहल्ला भजन का बाग निवासी एक युवक पर फायरिंग करने के मामले में भी फरार चल रहा था। आरोपी पर हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के तहत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। आरोपी को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। एसपी ने कहा कि 5 नवंबर से चलाए गए ऑपरेशन ट्रेकडाउन अभियान के तहत जिला पुलिस ने अब तक 17 आरोपी दबोच लिए है। अभी संगीन मामलों के भी कई बदमाश पुलिस की रडार पर है, जिनको चिन्हित कर लिया गया है, जोकि जल्द ही जेल की सलाखों के पीछे होंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान से अपराध अंकुश पर सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं तथा अपराध में कमी आई है।

पीएम श्री राजकीय विद्यालय पाल्हावास में ब्लॉक स्तरीय युवा ग्राम पंचायत का आयोजन

रेवाड़ी। शहीद रविंद्र कुमार पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाल्हावास में सोमवार को ब्लॉक स्तरीय युवा ग्राम पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के जज राजकुमार प्रवक्ता इतिहास और रेखा प्रवक्ता राजनीति शास्त्र राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाटूसाना थे। स्कूल की प्रिंसिपल शोभा भारद्वाज ने बताया कि यह कार्यक्रम डाइट हुसैनपुर से प्रस्तावित था। इस अवसर पर 70 विद्यार्थियों ने ग्रामीण और सरपंच, पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत के पंच और गांव के पीएचसी के डॉक्टर, स्कूल की प्रिंसिपल, पटवारी, बिजली विभाग के एसडीओ, जल विभाग के अधिकारी, गांव के चौकीदार, बाल कल्याण अधिकारी व पेंशन विभाग के कर्मचारी की बच्चों ने भूमिका निभाई। युवा ग्राम पंचायत का आयोजन प्रवक्ता राजनीति विज्ञान के प्रवक्ता मुकेश यादव, प्रवक्ता सुमन और प्रवक्ता मांगे राम के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन की स्क्रिप्ट मुकेश यादव की ओर से तैयार की गई।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने पुलिस लाइन में साप्ताहिक जनरल परेड का किया निरीक्षण, जवानों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

पुलिस का अनुशासन, समय पालन और एकरूपता ही उसकी सबसे बड़ी पहचानः एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिल्ली रोड स्थित पुलिस लाइन में सोमवार को जवानों की परेड का आयोजन किया गया। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने परेड की सलामी ली। एसपी ने परेड का निरीक्षण करते हुए जवानों की ड्रेस, अनुशासन, चाल-ढाल और फिटनेस की जांच करके आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके उपरांत जवानों ने शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए दौड़ भी लगाई। इस अवसर पर डीएसपी हेडक्वार्टर डा. रविन्द्र सिंह, डीएसपी बावल सुरेंद्र श्योराण, डीएसपी ट्रैफिक पवन कुमार व डीएसपी सिटी जोगेंद्र शर्मा सहित थाना प्रभारी व चौकी इंचार्ज उपस्थित थे। एसपी मीणा ने कहा कि पुलिसकर्मियों की कार्यकुशलता और सेवा भावना तभी प्रभावी हो सकती है, जब वे पूरी तरह फिट, अनुशासित और सतर्क रहें। उन्होंने जवानों को नियमित रूप से परेड, योग, व्यायाम और प्रशिक्षण में भाग लेने की सलाह दी। एसपी ने कहा कि पुलिस का अनुशासन, समय पालन और एकरूपता ही उसकी सबसे बड़ी पहचान है, जिसे हर स्तर पर बनाए रखना आवश्यक है।

रेवाड़ी। पुलिस टीम को दिशा-निर्देश देते हुए एसपी हेमेंद्र मीणा, पुलिस लाइन में परेड की सलामी लेते एसपी। फोटो : हरिभूमि

थाने में आने वाले फरियादियों के साथ अच्छा व्यवहार करें

जिला पुलिस कप्तान ने कहा कि पुलिस विभाग की छवि को और बेहतर बनाने के लिए सभी पुलिस जवान नेक नियति व ईमानदारी से मिलकर काम कर समाज में एक अनूठी मिशाल पेश करें। उन्होंने कहा कि पुलिस जवानों को हमेशा आमजन के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस जवानों को हमेशा समाज हित में कार्यों करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि थाने में आने वाले फरियादियों के साथ अच्छा व्यवहार करें तथा प्राथमिकता के आधार पर उनकी सुनवाई कर शीघ्र न्याय दिलाने की कोशिश करें। एसपी मीणा ने कहा कि भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगा, सभी जीरो टॉलरेंस पर नेक नियति, ईमानदारी से काम करें। परेड उपरांत एसपी ने जिला पुलिस लाइन परिसर का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बैरक, शस्त्रागार, वाहन शाखा, जिम, मेस व प्रशिक्षण मैदान सहित कार्यालयों का जायजा लिया। उन्होंने सभी स्थानों की साफ-सफाई, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। एसपी ने स्टाफ को निर्देश दिए कि वे पुलिस लाइन को हमेशा स्वच्छ, अनुशासित और सुव्यवस्थित बनाए रखें। उन्होंने कहा कि पुलिस लाइन न केवल प्रशिक्षण का केंद्र है, बल्कि यह पुलिस बल की कार्य संस्कृति और अनुशासन का प्रतिबिंब भी है।

विशेष: बाल दिवस, 14 नवंबर

बच्चा है तो वह मासूम, भोला-भाला होगा ही, बड़ी स्वाभाविक सी बात है। लेकिन इस नए दौर में बच्चे अपनी मासूमियत खो रहे हैं, उनकी बाल सुलभ सहजता लुप्त हो रही है, इसके कुछ नकारात्मक परिणाम बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर पड़ रहे हैं। जरूरी है अभिभावक इन्हें जानें-समझें और बच्चे की मासूमियत खोने ना दें, उनका नैसर्गिक विकास हो।

बच्चों की खोती मासूमियत कैसे सहेजें हम

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चे, अब बच्चों जैसे नहीं रहे। बालमन की मासूमियत गुम हो रही है। अब तो बच्चों के खेल-खिलौने ही बदल गए हैं। कैसी भाषा बोलने लगे हैं, आजकल के बच्चे? अब तो घर के छुटके सदस्य किसी की सुनते ही नहीं। ऐसी बातें घर-घर का किस्सा हैं। घर के बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चों के अभिभावक, चिंतित भी हैं और चकित भी। कभी आने वाले कल से जुड़े भय के चलते तो कभी आज की उलझनों के कारण, बच्चों के बदलते बर्ताव की चर्चा हर ओर हो रही है।

समझना होगा बच्चों के मन का हाल

वक्त के साथ लाइफस्टाइल से लेकर तकनीक के इस्तेमाल तक, हर चीज में बदलाव आएगा ही। इन बदलावों संग ही सकारात्मक परवरिश की राह निकालनी होगी। अभिभावक को बच्चों के मन का हाल समझना होगा। उनके व्यवहार पर गौर करते हुए सोच की बदलती दिशा की थाह लेनी होगी। समय के साथ सधी कदमताल ही बचपन की मासूमियत सहेज सकती है। साथ ही नई पीढ़ी को अपडेट रखने के लिए भी एक संतुलित रास्ता चुनना आवश्यक है। बच्चों के लिए तो सब कुछ नया-सा होता है। स्कूल जाने पर सीखने-पढ़ने की नई खिड़की खुलती है। आस-पड़ोस का मेलजोल, घर के बाहर लोगों के व्यवहार से जुड़े अच्छे-बुरे तौर-तरीकों से मिलवाता है। ऐसे में बच्चे कभी कुछ जान-बूझकर सीखते हैं तो कभी अनजाने ही किसी के बर्ताव को दोहराने लगते हैं। बावजूद इसके बच्चों को अपने परिवेश से दूर नहीं रखा जा सकता। खेलकूद या मेलजोल पर पाबंदी नहीं लगाई जा सकती। ऐसे में अभिभावक को ठहराव के साथ उनका हाथ थामना होगा। समय के साथ आ रहे बदलावों के प्रति 'सार-सार को गहि रहै, थोथा देई उड़ाय' का भाव शुरुआती पड़ाव पर ही उनके मन में भरना होगा। ध्यान रहे कि हर परिस्थिति को लेकर शिकायत करना इंसान को सीमाओं में बांधता है। इसीलिए मौजूदा दौर में अभिभावक को एक बैलेंस बनाना होगा। जीवन की डगर पर बच्चों का हाथ थामकर एक सधी कदमताल करनी होगी। बालमन को नकारात्मकता से बचाने के लिए समझाइश देनी होगी। बच्चों के मन में सकारात्मक बातों-बर्ताव को अपनाने वाली खुली सोच को पोसना होगा।

सकारात्मक जुड़ाव ही है हल

संपर्क में आने वाले लोग हों या इस्तेमाल की जा रही सुविधाएं। बच्चे, सही या गलत का फर्क नहीं कर सकते। उनका मासूम मन लाभ या हानि का गणित नहीं समझता। हालिया वर्षों में तकनीक द्वारा बालमन का दिशाहीन होना एक बड़ी चिंता बन गया है। अभिभावक बच्चों को टेक्निकल गैजेट्स का सही इस्तेमाल करना सिखाएं। साथ ही खुद भी स्क्रीन के संसार में खोने के बजाय इस मामले में अनुशासन बरतें। स्पेन की यूनिवर्सिटी नेब्रिजा में हुए एक अध्ययन के मुताबिक स्क्रीन टाइम बच्चों के लिए नुकसानदेह और फायदेमंद दोनों साबित हो सकता है। यह अध्ययन कहता है कि स्क्रीन के बहुत अधिक और अनियंत्रित इस्तेमाल से बच्चों का फोकस कम होता है। बच्चों के भाषा सीखने और भावनात्मक विकास में बाधा आ सकती है। नेब्रिजा यूनिवर्सिटी का यह अध्ययन बताता है कि अगर स्क्रीन का उपयोग, एजुकेशनल कंटेंट और परिवार के साथ इंटरैक्शन के लिए किया जाए तो बच्चों के दिमागी विकास, ध्यान और भाषा में सुधार कर सकता है। यही बात खेल, सामाजिक मेल-मिलाप, खान-पान और लाइफस्टाइल से जुड़ी दूसरी आदतों पर भी लागू होती है। बच्चे जो भी करें, उस फील्ड से जुड़े लोगों से ही नहीं, उस एक्टिविटी से भी एक पॉजिटिव कनेक्ट रखना सिखाएं।

सभी की भूमिका अहम

क्या सिर्फ बच्चे ही बदले हैं? अनुशासनहीनता और आक्रोश ने केवल बालमन को ही नहीं घेरा है, घर में बड़ों की बात सुनने-समझने में कोताही करने वाले केवल बच्चे ही तो नहीं? ऐसे बहुत से सवालों को लेकर अभिभावकों को गंभीरता से सोचना होगा। इन बातों-हालातों पर गहराई से सोचे बिना बच्चों की मासूमियत को नहीं सहेजा जा सकता। बच्चों के बचपन का गुम होना, बड़ों के बदलते जीवन पर भी प्रश्न उठाता है। बालमन का भ्रमित होना बड़ों की प्राथमिकताओं से उनके गायब हो जाने की भी बानगी है। घर से छुटके सदस्यों का चुप्पी चुन लेना, बड़ों से संवाद कम होने का भी नतीजा है। कहीं काम-काजी आपा-धापी में फंसे पैरेंट्स कुछ कहने से पहले ही बच्चों को जज कर रहे हैं तो कहीं मम्मी-पापा के रिश्ते में आते अलगाव की आंच मासूम मन को झुलसा रही है। अनगिनत सुविधाओं से घिरे बच्चे अकेले से लगते हैं। मशीनों के साथ पलते बच्चे मन के मोर्चे पर उदासी के घेरे में हैं। स्कूलों में दूसरी एक्टिविटीज के बोझ तले दबे टीचर्स, बच्चों से जुड़ाव नहीं बना पा रहे। आस-पड़ोस के दरवाजे ही नहीं, मन से जुड़ने के रास्ते भी बंद हैं। बदलावों के नाम पर बनी इस अजब-गजब दुनिया में बच्चे खोए से खड़े हैं। ऐसे में उनका साथ देने की जिम्मेदारी पैरेंट्स, टीचर्स और नेबर्स सभी की है। कहा जाता है कि 'इट टेक्स अ विलेज टू रेज अ चाइल्ड' यानी परिवार ही नहीं, पूरा परिवेश चाहिए होता है एक बच्चे को बड़ा करने के लिए। स्कूल, खेल का मैदान, ट्यूशन सेंटर या घर-आंगन, बचपन को सहेजने के लिए परवरिश की साझी जिम्मेदारी हर जगह मौजूद लोगों को

ज्यादा लाड़-प्यार से बिगड़ता है बच्चों का बर्ताव

सभी पैरेंट्स अपने बच्चों को खूब दुलार करते हैं, उनकी हर इच्छा पूरी करना चाहते हैं। लेकिन जरूरत से ज्यादा लाड़-प्यार बच्चों के बर्ताव को बिगाड़ सकता है, इसलिए सजग रहना जरूरी है।

रखें ध्यान

चैतन्या

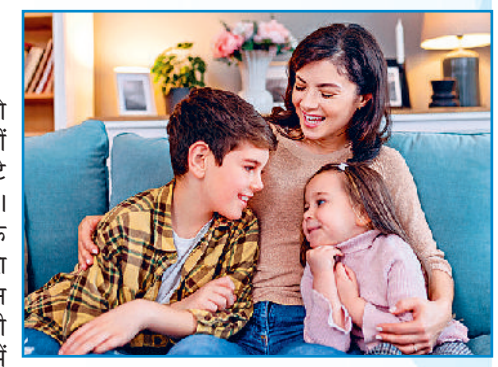

अधिकतर पैरेंट्स अपने बच्चों को प्यार करने में कोई कमी नहीं रखना चाहते। घर के छोटे सदस्यों के प्रति यह लाड़-प्यार जरूरी भी है। प्यार-दुलार का यही व्यवहार दो पीढ़ियों के जुड़ाव को मजबूत करता है, लेकिन नेह भरा यह बर्ताव उस समय परेशानी का कारण बन जाता है, जब बच्चों की हर बात मान लेना ही प्यार जताना समझ लिया जाए। हर मामले में बच्चों के कहे मुताबिक पैरेंट्स, खुद को ढालने-बदलने लगें। समझना जरूरी है कि हद से ज्यादा लाड़-प्यार पाने के इन हालातों में बच्चे, अपने से बड़े पारिवारिक सदस्यों की बात सुनने-मानने की प्रवृत्ति भी खोने लगते हैं। इसीलिए बच्चों की परवरिश में लाड़-प्यार की भी एक सीमा आवश्यक है। शुरू से ही ऐसा ना किया जाए तो बच्चे बहुत-सी मानसिक और व्यावहारिक समस्याओं के घेरे में आने लगते हैं।

मूड स्विंग्स का शिकार: हद से ज्यादा प्यार मिलने से बालमन इमोशनल रेग्युलेशन नहीं सीख पाता। ऐसे बच्चे, अपनी इच्छाओं और भावनाओं के आगे पैरेंट्स के किसी तर्क या समझाइश को नहीं मानते हैं। पैरेंट्स का हद से ज्यादा प्यार पाने वाले बच्चों में मूड स्विंग्स ज्यादा होते हैं, जो जीवन के शुरुआती पड़ाव पर ही उन्हें दिशाहीन करने लगते हैं। ऐसे में बड़ों का भी समय रहते चेत जाना जरूरी है। मन-मुताबिक सब करने-चाहने की आदत बन जाने के बाद उनके मूड स्विंग्स को मैनेज करना मुश्किल हो जाता है। बात-बात पर बच्चों की बदलती मनःस्थिति, पैरेंट्स को सजग करने वाला पक्ष है। इस बर्ताव से उनको समझना चाहिए कि बच्चे को जरूरत से ज्यादा ही लाड़-प्यार मिल रहा है। समझाइश को मानने और मन की करने-करवाने से दूर होते बच्चों के पैरेंट्स को संतुलित परवरिश की राह चुननी चाहिए। इसीलिए शुरुआती कदम पर ही याद रखें कि लाड़-प्यार की अति, बच्चों को मूड स्विंग्स का शिकार बनाने वाली होती है।

टीम वर्क से दूरी : पैरेंट्स द्वारा मन-मुताबिक सब कुछ करने देने की छूट पाने वाले बच्चे, टीम वर्क नहीं कर पाते। पढ़ाई हो या सामाजिक-पारिवारिक गतिविधि, कोई प्रेशर नहीं सह पाते। हमारे परिवारों में आमतौर पर बच्चों से दुलार करने का मतलब उन्हें गलत व्यवहार से ना टोकना, बुरी भाषा बोलने से ना रोकना और जिद्दी बर्ताव करने पर सख्ती ना करने से लिया जाता है। बच्चों के हर तरह के नकारात्मक व्यवहार की यह सहज स्वीकार्यता उन्हें और आक्रामक बना देती है। समझना मुश्किल नहीं कि घर हो या स्कूल, यह आक्रामकता उनमें मिलजुल कर काम करने की सोच नहीं आने देती है। साथ ही किसी बच्चे का यह बर्ताव देख, दूसरे बच्चे भी उससे दूरी बनाने लगते हैं। पैरेंट्स के सामने की जाने वाली जिद के समान ही बच्चे घर से बाहर भी मिल-जुलकर कोई एक्टिविटी करने के बजाय अपनी बात मनवाने पर अड़ने का रुख अपनाते हैं। ऐसी स्थितियां बच्चों को रचनाशीलता से दूर करती है। क्लास हो या खेल का मैदान, साझी गतिविधियों में अपनी ही जिद मनवाने की मानसिकता के चलते बच्चे ना तो क्रिएटिव बन पाते हैं और ना ही कुछ नया सीखने में रुचि लेते हैं।

अशिष्ट और स्वार्थी बर्ताव: लाड़-प्यार की अति से जुड़ी समस्याओं का खामियाजा बच्चों के पूरे व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। पैरेंट्स की हद से ज्यादा उदारता से हर बात में बहस करना, बच्चों की आदत में शुमार हो जाता है। इससे उनका व्यक्तित्व ही नहीं आने वाला जीवन भी प्रभावित होता है। शुरू से ही 'न' सुनने की आदत ना डाली जाए तो एक समय के बाद माता-पिता भी बच्चों के व्यवहार को नियंत्रित नहीं कर पाते। बच्चों को सही दिशा नहीं दिखा पाते। इसीलिए बच्चों के प्रति स्नेहपूरित दुलार के साथ एक सधापन शुरू से ही अपनाएं। a

हालांकि अब ज्यादातर घरों में बच्चे, बड़े-बूढ़ों से कहानी सुनने में रुचि नहीं लेते। जबकि कहानियां बच्चों का मनोरंजन करती हैं, उनका ज्ञान बढ़ाती हैं, उन्हें अच्छे गुणों से संस्कारित करती हैं। बच्चों को कहानी सुनाने के फायदों के बारे में जानिए।

मनोरंजन के साथ सिखाती भी हैं कहानियां

सलाह

प्रतिभा अग्निहोत्री

कहानियां, मोबाइल और टीवी के आगमन से पहले बच्चों को जीवन के मूल्यों को सिखाने का एक सशक्त माध्यम हुआ करती थीं। रात को सोने से पहले अपनी दादी-नानी से कहानी सुनना लगभग हर बच्चे के लिए जरूरी काम हुआ करता था। इसका वे बहुत बेसब्री से इंतजार किया करते थे। लेकिन जैसे-जैसे तकनीक का विकास होता गया, वैसे-वैसे किस्से-कहानियों की सुनाया जाना कम होता गया। आज इस सबका स्थान मोबाइल फोन ने ले लिया है। बच्चे से लेकर बड़े सभी डिजिटल दुनिया में खोए नजर आते हैं, जिससे न केवल उनकी आंखें, शरीर और मानसिक क्षमता भी प्रभावित हो रही है। बच्चों की क्रियाशीलता और रचनात्मक क्षमता खत्म होती जा रही है। बच्चों के समुचित विकास के लिए उन्हें किस्से-कहानियों से परिचित कराना बहुत जरूरी है।

रचनात्मक प्रतिभा का विकास: बच्चे जब किसी भी कहानी को सुनते हैं तो वे मानसिक रूप से उसमें डूब से जाते हैं। उन्हें लगता है कि मानो अमुक घटना बिल्कुल उनके सामने ही घटित हो रही है। यही नहीं कई बार वे स्वयं को ही उस घटना का पात्र भी समझने लगते हैं। सुनते समय वे कहानी के आगे आने वाले घटनाक्रम की कल्पना करने लगते हैं, इससे उनकी कल्पनाशीलता बढ़ती है, साथ ही उनकी रचनात्मक प्रतिभा का विकास भी होता है। यही रचनाशीलता आगे चलकर उनके व्यक्तित्व और उनकी शिक्षा में भी परिलक्षित होती है।

वोकैबलरी होती है मजबूत: कहानी सुनते समय बच्चे अनेक नए शब्दों से परिचित होते हैं। वे शब्द उनके अवचेतन मन में समा जाते हैं, जिनका अकसर बच्चे अपनी बातचीत में प्रयोग करते दिखते हैं। कहानियों से न केवल बच्चों में शब्द ज्ञान यानी वोकैबलरी बढ़ती है, वे वाक्यों को बनाना और यथोचित स्थान पर उनका प्रयोग करना भी सीखते हैं।

बनते हैं अच्छे श्रोता: चूंकि कहानी सुनने के दौरान बच्चा बोलता कम और सुनता अधिक है, इससे उसमें बचपन से ही अच्छे श्रोता के गुणों का विकास होने लगता है, जो भविष्य में उसके व्यक्तित्व विकास के लिए लाभकारी सिद्ध होता है।

जीवन मूल्यों का विकास: जब भी हम बच्चों को कोई कहानी सुनाते हैं तो उन कहानियों के पात्रों के माध्यम से उनमें जीवन मूल्यों का विकास होता है। हम सही, गलत, सच और झूठ जैसे भावों से परिचित कराते हैं, जो उम्र भर उनका साथ देते हैं।

इतिहास-संस्कृति का ज्ञान: बच्चों के पास आजकल अपना एकेडमिक कोर्स ही इतना अधिक होता है कि उनके पास अलग से कुछ भी पढ़ने का समय ही नहीं होता परंतु कहानियों के माध्यम से आप उन्हें अपनी संस्कृति और इतिहास से रूबरू करा सकते हैं, इससे उनके ज्ञान में वृद्धि होती है।

अध्ययन में मददगार: कहानियां बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक तो होती ही हैं, वे उनके अध्ययन में भी बहुत मददगार होती हैं। बचपन में सुनी गईं कहानियों से बच्चे की कल्पनाशीलता बढ़ती है।

ज्ञान में वृद्धि: कहानियों के विषय चूंकि मानव, पशु-पक्षी, जीव-जंतुओं आदि से सबंधित होते हैं, सो कहानी सुनते समय बच्चे इनसे परिचित हो जाते हैं, जिससे उनके विविध विषयों के ज्ञान में वृद्धि तो होती ही है, बच्चों में विषयों को जानने की जिज्ञासा भी बढ़ती है। a

(मनोवैज्ञानिक कीर्ति वर्मा से बातचीत पर आधारित)

बच्चों की ड्राय स्किन ऐसे बनेगी सॉफ्ट-ग्लोइंग

एडवाइस

ललिता गोयल

सर्दी के मौसम में बच्चों की स्किन काफी ड्राय होने लगती है। ऐसे में उनकी स्किन को एक्सट्रा केयर की जरूरत होती है। बदलते मौसम में बच्चों की स्किन की अगर सही देखभाल न की जाए, तो वो ड्राई और रफ होने लगती है। मौसम में बदलाव के कारण बच्चों के होंठ फटने लगते हैं, स्किन में ईचिंग होने लगती है। ऐसे में यहां बताए जा रहे उपायों पर गौर करना होगा।

मॉयश्चराइजर लगाएं: बच्चे को नहलाने के बाद उसकी स्किन को अच्छी तरह से पोंछने के बाद मॉयश्चराइजर लगाएं। सर्दियों में हवा में नमी कम होती है, जिससे स्किन ड्राई हो सकती है। ऐसे में बच्चे की त्वचा को मॉयश्चराइज रखने के लिए अच्छे मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करें।

गुनगुने पानी का यूज करें: कभी भी बच्चे को ज्यादा गर्म पानी से न नहलाएं। इससे बच्चे की स्किन का नेचुरल ऑयल कम हो सकता है। ऐसे में बच्चे के लिए हमेशा हल्के गुनगुने पानी का ही इस्तेमाल करें। गुनगुने पानी से नहलाने से एक तो बच्चे को ठंड नहीं लगेगी, वहीं साथ ही में उनकी त्वचा की नमी भी बरकरार रहेगी।

हीटर की गर्मी से करें बचाव: अकसर लोग सर्दी के मौसम में ठंड से राहत दिलाने के लिए अपने बच्चे को नहलाकर हीटर के आगे बैठा देते हैं। ऐसा करने से बचना चाहिए।

हाइड्रेशन का ध्यान रखें: बच्चे को ड्राई स्किन की प्रॉब्लम से बचाने के लिए उसे डिहाइड्रेट न होने दें। उसे पर्याप्त मात्रा में पानी और लिक्विड डाइट देती रहें।

ऑयल मसाज करें: नन्हे बच्चों की स्किन से ड्राईनेस को मिटाने के लिए, थोड़े-थोड़े समय के अंतर पर तेल से मालिश जरूर करें। इससे आपके बच्चे की स्किन से रूखापन खत्म हो जाएगा। साथ ही, बच्चे की हेल्थ भी अच्छी बनी रहेगी।

माइल्ड साबुन का करें इस्तेमाल: केमिकल्स बेस्ड साबुन का इस्तेमाल करने से बच्चों की स्किन हार्श और ड्राई हो सकती है। इसलिए बच्चे को गुनगुने पानी से स्नान कराएं और हल्का बेबी सोप या माइल्ड क्लींजर इस्तेमाल करें। नहलाते वक्त बच्चे की त्वचा पर सिर्फ एक बार ही साबुन लगाएं। बार-बार बच्चों की त्वचा पर साबुन रगड़ने से स्किन से नमी खत्म हो सकती है। नहलाने के बाद बच्चों की त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए बेबी लोशन या एलोवेरा जैल भी लगाएं।

सनस्क्रीन लगाएं: ज्यादातर पैरेंट्स अकसर यह गलती करते हैं कि वो धूप में बाहर ले जाते वक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करते हैं। ऐसा करना बिल्कुल गलत है। धूप से सुरक्षा के लिए बच्चों की त्वचा पर सनस्क्रीन लगाना बहुत जरूरी होता है। इससे बच्चे की स्किन पर ड्रायनेस नहीं आती है। a

(बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्राची से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल सजेशन

डॉ. अशोक झिंगन

चेयरमैन-डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली

बदलती जीवनशैली, गलत खान-पान और कम फिजिकल एक्टिविटी के कारण डायबिटीज अब बच्चों में भी तेजी से बढ़ रही है। वर्ल्ड डायबिटीज-डे (14 नवंबर) के अवसर पर एक्सपर्ट डॉक्टर बता रहे हैं बच्चों में डायबिटीज होने के कारण, लक्षण और बचाव के तरीकों के बारे में।

बच्चों को भी हो सकता है डायबिटीज

डब्ल्यूएचओ ने भारत को 'डायबिटीज कैपिटल' का दर्जा दिया है। डायबिटीज एक मेटाबॉलिक बीमारी है, जिसमें शरीर के पैंक्रियाज ग्लैंड में बनने वाला इंसुलिन हार्मोन या तो पर्याप्त मात्रा में नहीं बनता या उसका असर कम हो जाता है। इंसुलिन भोजन से प्राप्त शुगर 'ग्लूकोज' को अवशोषित कर रक्त के जरिए शरीर के विभिन्न कोशिकाओं तक पहुंचाता है, जिससे सभी सेल्स सुचारू रूप से काम करते हैं और शरीर को ऊर्जा मिलती है। यह प्रक्रिया सामान्य रूप से नहीं चल पाती, तो रक्त में शुगर लेवल बढ़ जाता है। शुगर का बढ़ा हुआ स्तर लंबे समय तक बने रहने से व्यक्ति डायबिटीज का शिकार हो जाता है।

टाइप-1 डायबिटीज: यह कई कारणों से हो सकता है, जैसे वायरल फीवर के बाद संक्रमण, खाने-पीने की चीजों में मौजूद टॉक्सिन या केमिकल, मौसम परिवर्तन, प्रदूषण आदि। इनमें से किसी भी कारण से पैंक्रियाज ग्लैंड की बीटा सेल्स के खिलाफ एंटीबॉडी बनने लगती हैं, जिससे इंसुलिन बनने की प्रक्रिया प्रभावित हो जाती है या बंद हो जाती है। बढ़ी हुई ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए रोजाना प्रत्येक भोजन के बाद इंसुलिन लेना आवश्यक हो जाता है। अगर सही समय पर उचित उपचार मिले तो टाइप-1 डायबिटीज वाले बच्चे भी लंबी उम्र तक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

टाइप-2 डायबिटीज: यह फिजिकल एक्टिविटी की कमी, गलत खान-पान, मोटापा और फैमिली हिस्ट्री के कारण होती है। इसमें शरीर में इंसुलिन कम बनता है या शरीर उसे सही तरह उपयोग नहीं कर पाता। इसमें नियमित व्यायाम और संतुलित आहार लेने की सलाह दी जाती है। सुधार न होने पर दवाइयां और इंसुलिन देना आवश्यक है।

लक्षण: बार-बार यूरीन आना खासकर रात में, अधिक प्यास लगना, जल्दी थक जाना, कमजोरी, वजन कम होना, चिड़चिड़ापन, देखने में दिक्कत, पढ़ाई में मन न लगना, मूड स्विंग्स, अचानक इंफेक्शन होना, विकास प्रभावित होना, लड़कियों में पीरियड्स का अनियमित होना।

कारण: डायबिटीज का जेनेटिक फैमिली बैकग्राउंड, गर्भावस्था में मां को जेस्टेशनल डायबिटीज के कारण नवजात शिशु का 3.5 किलोग्राम से अधिक होना, अधिक स्क्रीन टाइम और कम फिजिकल एक्टिविटी। मोटापा, जंक, प्रोसेस्ड फूड और चीनी युक्त पेय पदार्थों का अधिक सेवन करना। a

बचाव के उपाय

डायबिटीज से अपने बच्चों को बचाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

- बच्चों में हेल्दी ईटिंग हैबिट्स डालें।
- घर का बना संतुलित आहार दें और जंक फूड से दूर रखें।
- मीठा कम खाने को दें और नट्स, फ्रूट्स उनकी डाइट में शामिल करें।
- बच्चों के वजन और गतिविधि पर ध्यान रखें, ग्रोथ चार्ट मेंटेन करें।
- रोजाना कम से कम 60 मिनट फिजिकल एक्टिविटी के लिए बच्चे को प्रेरित करें।
- गर्भावस्था में महिलाओं को हेल्दी डाइट दें और नियमित चेकअप कराएं।
- अगर बच्चे को डायबिटीज है तो नियमित दवाएं और मॉनिटरिंग आवश्यक है।

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

मंडियों में लगने वाली लाइन से मिलेगी निजात

फसल बेचने के लिए आने वाले किसान मोबाइल से काट सकेंगे गेट पास

महेश कुमार ▶▶ नारनौल

अनाज मंडियों में फसल बेचने आने वाले किसानों के लिए राहत की खबर है। अब किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए लंबी कतारों में लगने या गेट पास बनवाने के लिए मंडी के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। राज्य कृषि विपणन बोर्ड ने खरीद प्रक्रिया को आसान, पारदर्शी और आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए ई-खरीद मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से क्यूआर कोड आधारित डिजिटल गेट पास प्रणाली लागू कर दी है।

पहले किसानों को गेट पास बनवाने के लिए मंडी के बाहर घंटों इंतजार करना पड़ता था। ट्रॉलियों की लंबी लाइनें लग जाती थीं, जिससे न केवल किसानों का समय खराब होता था बल्कि मंडी के बाहर की सड़कों पर जाम की स्थिति भी बन जाती थी, लेकिन अब डिजिटल गेट पास प्रणाली शुरू होने से यह समस्या पूरी तरह खत्म हो गई है। किसान तय समय पर अपनी ट्रॉली लेकर मंडी पहुंचते हैं, क्यूआर कोड स्कैन होता है और तुरंत प्रवेश मिल जाता है। यह प्रणाली किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। अब किसान अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ई-खरीद एप के माध्यम से खुद ही अपना गेट पास जनरेट कर सकेंगे। यह गेट पास डिजिटल रूप में क्यूआर कोड के तौर पर उनके मोबाइल स्क्रीन पर दिखाई देगा है।

खास बातें

- मंडियों में होने वाले फर्जीवाड़े से मिलेगी निजात, किसानों के समय की भी होगी बचत
- पहले किसान में अनाजमंडी में प्रवेश के लिए घंटों करना पड़ता इंतजार

किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं प्रणाली

किसानों को मिलेगा फायदा

सभी अनाज मंडियों और खरीद केंद्रों पर यह डिजिटल प्रणाली लागू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि किसानों को अब गेट पास बनवाने के लिए इंतजार नहीं करना पड़ता। इससे मंडियों में अनुशासन और पारदर्शिता दोनों बढ़ी हैं। किसान अब अपनी फसल आसानी से और बिना परेशानी के बेच पा रहे हैं। डिजिटल गेट पास प्रणाली से किसानों को न केवल सुविधा मिली है, बल्कि उन्हें तकनीकी रूप से सशक्त भी बनाया गया है। राज्य सरकार की यह पहल अनाज मंडियों को डिजिटल युग की दिशा में आगे बढ़ाने वाला कदम साबित हो रही है।

-आदित्य यादव, मार्केट कमेटी सचिव महेंद्रगढ़

नारनौल। अनाज मंडी गेट। फोटो : हरिभूमि

फर्जीवाड़े पर रोक और मंडियों मे सुचारू व्यवस्था

नई प्रणाली का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे फर्जी किसानों या दूसरे राज्यों की फसल बेचने जैसी गलत प्रवृत्तियों पर प्रभावी नियंत्रण होगा। गेट पास स्कैन करते समय किसान को ओटीपी दर्ज करवानी होती है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि फसल बेचने वाला किसान स्वयं ही मंडी में मौजूद है। इससे फर्जीवाड़ा और बिचौलिया तंत्र पर रोक लगी है।

जिले में बाजरा खरीद का आकड़ा

मंडी का नाम	गेट पास	वजन(टन)	ऑक्शन पेंडिंग
अटेली	13987	39103.80	13962
कनीना	11693	36462.45	11684
महेंद्रगढ़	2757	8579.75	2616
नांगल चौधरी	2146	6113.75	1959
नारनौल	11002	31105.14	10976
सतनाली	3934	13504.82	3752

पारदर्शिता और समय की बचत

ई-खरीद एप के माध्यम से न केवल गेट पास बनाना आसान हुआ है, बल्कि पूरी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी और तेज भी हो गई है। किसान अपनी फसल का वजन स्वयं एप पर दर्ज करता है और बिक्री से संबंधित जे-फॉर्म भी उसी एप पर प्राप्त कर सकता है। इससे रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित रहता है और फसल का भुगतान निर्धारित समय में सीधे किसान के बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाता है।

खबर संक्षेप

चंदपुरा के जितेंद्र कुमार ने दिया 251000 का अनुदान

नारनौल। श्री गौड़ ब्राह्मण सभा में क्षेत्र के गांव चंदपुरा निवासी जितेंद्र कुमार शर्मा पुत्र स्व. मूलचंद शर्मा ने 251000 की आर्थिक सहायता के रूप में अनुदान प्रदान किया है। गौड़ ब्राह्मण सभा के प्रधान वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश मेहता ने बताया कि जितेंद्र कुमार शर्मा ने अपने दादा पंडित बनवारी लाल शर्मा के सिद्धांतों व आदर्शों से प्रेरित होकर यह अनुदान दिया है।

रामपुरा के पूर्व सरपंच भोलाराम का निधन

नारनौल। बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान यशवंत यादव के 93 वर्षीय चाचा एवं रामपुरा गांव के पूर्व सरपंच भोलाराम का रविवार देर शाम हृदय गति रूकने से निधन हो गया। भोलाराम दो बार गांव रामपुरा के सरपंच रहे तथा एक बार पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन पद पर भी कार्यरत रहे। इसके अतिरिक्त वे लगभग 15 वर्षों तक कृषि विभाग में चेयरमैन के रूप में सेवाएं देते रहे। उनका अंतिम संस्कार सोमवार सुबह 10 बजे पैतृक गांव रामपुरा में किया गया।

शिविर में 100 नागरिकों ने रखी अपनी समस्याएं

नारनौल। मुख्यमंत्री के निर्देश पर लगाए जा रहे समाधान शिविर की कड़ी में सोमवार को लघु सचिवालय में आमजन की शिकायतें व समस्याएं सुनी गई। इस मौके पर कुल 100 समस्याएं रखी गई। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने पुलिस से संबंधित मामले सुने तथा डीएमसी रणवीर सिंह व नगराधीश डॉ. मंगल सेन ने सिविल प्रशासन से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की और संबंधित अधिकारियों को जल्द कार्रवाई करने की निर्देश दिए।

दिनेश जेलदार बने मार्केट कमेटी अटेली के चैयरमैन

मंडी अटेली। प्रदेश भर में मार्केट कमेटियों के चेयरमैन वाईस चेयरमैनों की नियुक्ति को लेकर घमासान चला हुआ था। अटेली विधानसभा में दो मार्केट कमेटियां आती है। इसी बीच स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के समर्थक दिनेश जैलदार को अटेली मार्केट कमेटी का चैयरमैन एवं वॉइस चेयरमैन राधेश्याम गोयल नियुक्त किया है।

नहीं पसीजा पुलिस प्रशासन, इत्तफाकिया कार्रवाई से कराया पोस्टमार्टम

क्रैशर की होदी में फिसलकर गिरे मजदूर की दर्दनाक मौत

एक सप्ताह में क्रैशरों पर दूसरे प्रवासी मजदूर की मौत होने से ग्रामीणों में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ निजामपुर

निजामपुर। घटना स्थल का निरीक्षण करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

इत्तफाकिया कार्रवाई

निजामपुर थाना इंचार्ज रवि कुमार ने बताया कि मृतक धर्मबीर के भाई ने नींद आने से हादसा घटित होने का बयान दिया है। जिसके आधार पर इत्तफाकिया कार्रवाई करके शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

बिगोपुर जोन में क्रैशर की होदी में पिसकर एक प्रवासी मजदूर की दर्दनांक मौत हो गई। तीन घंटे बाद सूचना लगने पर ऑपरेटर ने क्रैशर को बंद किया तथा अन्य श्रमिकों की मदद से क्षत विक्षत शव को बाहर निकाला। मृतक के परिजनों ने सुबह सुबह आक्रोश व्यक्त किया, लेकिन तीन घंटे बाद उनका गुस्सा ठंडा हो गया। उन्होंने पुलिस को इत्तफाकिया कार्रवाई के बयान दर्ज कराए हैं, जिसके आधार पर केस दर्ज करके शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

बिगोपुर धौलेड़ा जोन में देव कृष्णा क्रैशर संचालित है। जिस पर प्रवासी लेबर पत्थर पिसाई का काम करती है। बीती रात यूपी निवासी धर्मबीर पुत्र बाबूलाल होदी में पत्थरों को धकेलने में जुटा हुआ था। इसी दौरान धर्मबीर का पैर फिसल गया और होदी की तरफ लुढक गया, फिसलन के समय पीड़ति ने जमीन व पत्थरों को पकड़कर बचाव करने के प्रयास भी किया, लेकिन ढलान ज्यादा होने के कारण सफलता नहीं मिली तथा लुढकता हुआ पहले कन्वेयर में उलझा। इसके बाद चक्की में फंस गया। पत्थर व चक्की के बीच फंसने से श्रमिक की मौत होने का अंदेशा जताया गया है। घटना स्थल से अन्य श्रमिक थोड़ी दूरी पर काम कर रहे थे, जिन्हें घंटे भर तक घटना की भनक नहीं लगी। होद पर पत्थर खिंचाव का प्वाइंट खाली देखकर अन्य श्रमिकों को हादसे का अंदेशा हुआ तथा उन्होंने होदी में झांक कर देखा।

ग्रामीणों ने जताई चिंता

बिगोपुर, बखरीजा, मेघोत बींजा, बायल व गांगोताना के ग्रामीणों ने बताया कि एक सप्ताह पहले बायल जोन में डस्ट पिसाई करने वाली चक्की में फंसने से एक प्रवासी श्रमिक की मौत हुई थी। इसके बाद बिगोपुर के पास क्रैशर की चक्की में फंसने से प्रवासी मजदूर की दर्दनांक मौत हो गई। दोनों ही मामलों में पुलिस ने मृतकों के परिजनों के बयानों पर इत्तफाकिया कार्रवाई की है। जिला प्रशासन ने अभी तक क्रैशरों के मापदंड तक चेक नहीं किए हैं, जिससे मिलीभगति का अंदेशा बना हुआ है।

नारनौल। अवैध खनन को लेकर ज्ञापन सौंपते दोस्तपुर के ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

अवैध खनन को लेकर किया प्रदर्शन

नारनौल। अवैध खनन को लेकर प्रशासन व खनन विभाग के खिलाफ लघु सचिवालय परिसर में दोस्तपुर गांव के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा तथा खनन विभाग, प्रशासन व प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामवासी नितिन यादव ने आरोप लगाया कि साल 2019 से लगातार पंचायती भूमि पर अवैध खनन जारी है, जिसकी शिकायतें करने के बाद भी प्रशासन व खनन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। ग्रामीणों के अनुसार विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से पंचायती भूमि को बर्बाद कर दिया गया है और अब शिकायतों को दबाने के लिए झूठी रिपोर्ट तैयार की जा रही हैं। इस अवसर पर ग्राम सरपंच प्रतिनिधि बाबरुभान ने बताया कि अवैध खनन में होने वाली ब्लास्टिंग से गांव के लगभग 95 प्रतिशत मकानों में दरारें आ चुकी हैं। दिन-रात धमाकों से लोगों की जान खतरे में है, जिससे कई परिवार अपने घर छोड़ने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने नौ अक्तूबर की रात को खनन संचालकों के ट्रक को पंचायत भूमि पर मलबा डालते हुए पकड़कर पुलिस व खनन विभाग को सौंपा था, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई।

टैगोर स्कूल के 47 विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक के साथ उत्तीर्ण की परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने एकबार फिर अपनी प्रतिभा और परिश्रम से विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के 47 विद्यार्थियों ने विज्ञान विद्यार्थी मंच की लेवल-1 परीक्षा उत्कृष्ट अंक के साथ उत्तीर्ण कर लेवल-2 परीक्षा के लिए चयन प्राप्त किया है। यह परीक्षा भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और विज्ञान प्रसार के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाती है।

इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा, नवाचार की भावना और अनुसंधान दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। प्राचार्य वीरेंद्र सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों की यह उल्लेखनीय सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। सीईओ डॉ. निशा यादव ने कहा कि टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल सदैव विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि विद्यालय के विद्यार्थी लेवल-2 परीक्षा में भी अपनी श्रेष्ठता बनाए रखेंगे।

दा वेदांता स्कूल के विवान यादव ने जीता राज्यस्तरीय प्रथम पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

दा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल के छात्र विवान यादव पुत्र प्रीतम यादव ने राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता राज्य स्तर पर आयोजित की गई थी, जिसमें अनेक विद्यालयों के प्रतिभाशाली छात्रों ने भाग लिया और अपनी रचनात्मक कला का प्रदर्शन किया।

कला शिक्षिका रचना यादव के मार्गदर्शन में विवान यादव ने अपने चित्र में रंगों का ऐसा समन्वय और गहराई दिखाई, जिसने निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके चित्र में न केवल सृजनात्मकता झलकती थी, बल्कि सामाजिक संदेश और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का भी सुंदर मिश्रण देखने को मिला। उनकी यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, लगन व कला के प्रति समर्पण का परिणाम है। विद्यालय के चेयरमैन विनोद कुमार यादव व विद्यालय प्रबंधक ने विवान की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वेदांता के विद्यार्थी हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ा रहे हैं। विद्यालय परिवार ने विवान को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

हरियाणा स्कूल के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। भ्रमण करते हरियाणा स्कूल के विद्यार्थी।

नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल के पहली से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण गुरुग्राम स्थित लोहागढ़ फार्म हाउस में आयोजित किया गया। इस भ्रमण में विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह व उमंग के साथ भाग लिया। संस्था के डीन मनोज भारद्वाज ने हरी झंडी दिखाकर भ्रमण दल को रवाना किया। संस्था की एमडी निधि वर्मा भी इस शैक्षणिक भ्रमण में बच्चों के साथ रही व सभी विद्यार्थियो का उत्साह बढ़ाया।

फार्म हाउस पहुंचकर विद्यार्थियों ने हरियाणा के वास्तविक ग्रामीण जीवन का अनुभव प्राप्त किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने दीया बनाना, मेहंदी लगाना, कठपुतली व जादू का खेल जैसी गतिविधियों में भाग लिया तथा ऊंटगाड़ी, बैलगाड़ी, ट्रैक्टर की सवारी का आनंद उठाया। विद्यार्थियों ने पारंपरिक ग्रामीण व्यंजनों जैसे मक्का की रोटी, लहसुन की चटनी, छोले, पूड़ी सब्जी, दाल, खिचड़ी, खीर, गुलगुले, छाछ, नींबू शिकंजी आदि का स्वाद लिया। उन्होंने क्रिकेट, रस्साकशी, बैडमिंटन, रोप स्लाइडिंग, झूले व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी सक्रिय भागीदारी की। संस्था के डीन मनोज भारद्वाज व प्राचार्य सुनील यादव ने बताया कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञान व व्यवहारिक अनुभव को बढ़ाने के साथ उन्हें देश प्रदेश की संस्कृति से रूबरू कराते हैं। संस्था के एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा व निर्देशक पुष्करमल वर्मा ने सभी अध्यापकों व विद्यार्थियों को भ्रमण के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

महेंद्रगढ़। परीक्षा देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आकाश एकेडमी हुई में नेशनल ओलंपियाड परीक्षा

महेंद्रगढ़। आकाश एकेडमी में गणित विषय की परीक्षा आयोजित की गई। देवेंद्र बैरावास ने बताया कि मैथ ओलंपियाड एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है। यह छात्रों की गणितीय प्रतिभा का आकलन करती है, जिसमें विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया। ओलंपियाड का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना जागृत करना और विषय ज्ञान को गहराई से समझने की प्रेरणा देना रहा। परीक्षा के दौरान केंद्र पर अनुशासन और शांतिपूर्ण वातावरण रहा। एकेडमी प्रबंधन की ओर से परीक्षा की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित की गई थी। आकाश एकेडमी के विद्यार्थियों ने भी परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा में कक्षा चौथी से नौवीं तक के बच्चों ने भाग लिया।

श्रीकृष्णा स्कूल के विद्यार्थियों ने किया जॉय भ्रमण

- भ्रमण ज्ञान अर्जन व सीखने का सर्वोत्तम माध्यम : कविता राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। भ्रमण में रोप कोर्स का आनंद उठाते श्रीकृष्णा स्कूल के विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

श्रीकृष्णा स्कूल के विद्यार्थियों ने झज्जर के कबलाना में जॉय भ्रमण किया, जिसमें कक्षा तीसरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। मिडिल हेड सुरेंद्र कुमार ने बताया कि जॉय गांव के भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने घोडे.की सवारी, ऊंट व बैल की सवारी, टैक्टर राईड, टेनिस कोर्ट, सन मून राईड में बढ़–चढ़कर भाग लिया। वहीं बूट कैंप, बम्बू ब्रिज, हैंगिंग लाडर, मंकी क्रावल, पैरलल रोप, रोप कोर्स, दीवार चढ़ना, कमांडो नेट, टायर ब्रिज सहित अन्य गतिविधियों को लेकर विद्यार्थियों मे काफी उत्साह नजर आया। स्कूल सीईओ कर्मवीर राव एवं चेयरपर्सन कविता राव ने कहा कि भ्रमण ज्ञान अर्जन व सीखने का सर्वोत्तम माध्यम है। मनोरंजन के साथ-साथ सीखने का अवसर शैक्षणिक भ्रमण से ही मिलता हैं। रोजाना की दिनचर्या से कुछ हटकर नये स्थानों पर घूमने से न सिर्फ ज्ञान वृद्धि होती हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी व्यक्ति मजबूत बनता हैं। प्राचार्य रवि प्रकाश ने कहा कि इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक अनुभव प्रदान करना था।

पूरे जोन से तीन दिन 3000 विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे, विभिन्न सात मंचों पर होंगे 46 प्रकार के इंवेंट्स

आरपीएस कॉलेज में जोनल युवा महोत्सव-2025 'झूमर' का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। जोनल स्तरीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करते मुख्यातिथि कुलपति प्रो. असीम मिगलानी एवं चेयरपर्सन डा. पवित्रा राव एवं युवा महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस कॉलेज बलाना में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी के सौजन्य से 8वां तीन दिवसीय जोनल युवा महोत्सव 'झूमर' का बड़े ही धूमधाम से आगाज हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. असीम मिगलानी, डॉ. कर्णसिंह, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, डीवाईडब्ल्यू डॉ. दीप्ती शर्मा, एवाईडब्ल्यू डॉ. सुशांत कुमार, इंदिरा गांधी विवि रेवाड़ी के डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. नवीन पिपलानी, विशिष्ट अतिथि संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजि. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुणाल राव, विषेश अतिथि कॉलेज डॉयरेक्टर डॉ. महेश यादव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र यादव, युवा महोत्सव संयोजक प्रो. राजेंद्र यादव, डिग्री कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. देवेन्द्र कादयान आदि मौजूद रहे।

प्रथम दिन के आयोजित कार्यक्रम: क्रोयोग्राफी, माइम, क्लासिकल डांस, क्लासिकल वोकल सोलो, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंट परकसन सोलो, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंट नॉन-परकसन सोलो, रिच्यूअल, वेसर्टन इंस्ट्रूमेंट सोलो, वेसर्टन वोकल सोलो, वेसर्टन ग्रुरप सोंग, पंजाबी पोइट्री, उर्दू पोइट्री, हिंदी पोइट्री, संस्कृत श्लोका उच्चारण, इंग्लिश पोइट्री, हरियाणवी पोइट्री, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग, ऑन द स्पोट पेंटिग नुक्कड़ नाटक आदि आयोजित किए गए।

युवा महोत्सव युवाओं के लिए बड़े मंचों के लिए एक उड़ान

युवा महोत्सव के मुख्य अतिथि प्रो. असीम मिगलानी ने बधाई देते हुए कहा युवा महोत्सव युवाओं के लिए बड़े मंचों के लिए एक उड़ान है। यहां से प्रतिभाएं निखर कर देश-विदेश में अपना नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने आरपीएस कॉलेज की प्रबंध समिति व व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए कहा इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में परीक्षा परिणाम, खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ सांस्कृतिक उपलब्धियों में एक अलग पहचान है, में खुशी है, कॉलेज पूरे देश-प्रदेश की प्रतिभाओं को निखारकर उचित मंच प्रदान करता है। कॉलेज चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने बधाई देते हुए कहा युवा महोत्सव युवाओं को सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए पहचान बनाने का अवसर है। इस युवा महोत्सव में प्रत्येक युवा में भारतीय व हरियाणवी संस्कार व धरोहर को दिखाई देती है। कॉलेज प्रत्येक युवा को उचित मंच प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों को केवल प्रतिस्पर्धा के लिए नहीं, बल्कि आपसी सहयोग, समन्वय और नेतृत्व कौशल विकसित करने के लिए भी प्रेरित करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय इन सांस्कृतिक उपलब्धियों को भविष्य की अकादमिक गतिविधियों में भी शामिल करने की दिशा में कार्य कर रहा है, ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। कॉलेज सीईओ इंजी मनीष राव ने कहा कि वे इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने जोनल युवा महोत्सव को बेहतरीन ढंग से करवाने की जिम्मेदारी आरपीएस इंजीनियर कॉलेज को दी। उन्होंने कहा कॉलेज विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए दृढ़ संकल्पित है। विवि युवा महोत्सव कॉलेज विद्यार्थियों के लिए उत्साह प्रेरणा संस्कार पैदा करने का उचित मंच है। यहां प्रतिभाएं अपनी प्रतिभाओं का जज्बा दिखाकर संस्कारवान बनती है। इसमें भारतीय संसकृति के प्रत्येक धार्मिक, सांस्कृतिक साहित्यिक कार्यक्रमों को

हुड्डा पार्क में बनेगा शहीद स्मारक

महेंद्रगढ़। शहर के चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क में करीब 15 लाख रुपये की लागत से शहीद स्मारक का निर्माण किया जाएगा। जिसका शिलान्यास 15 नवंबर को किया जाएगा। विधायक कंवर सिंह ने बताया कि रेजांगला के युद्ध में देश के 110 जवान शहीद हुए थे। उसमें से 60 जवान हरियाणा प्रदेश से थे तथा जिला महेंद्रगढ़ के 16 जवानों ने युद्ध में अपनी शहादत दी थी। जिला के पूर्व सैनिक लंबे समय से रेजांगला के शहीदों की याद में शहीद स्मारक या शहीदी पार्क की निर्माण की मांग करते आ रहे थे। भाजपा सरकार शहीदों के सम्मान को सर्वोपरी मानते है।

खबर संक्षेप

पीएम पुरस्कारों के लिए 15 तक तक कर सकते आवेदन

रेवाड़ी। केंद्र सरकार की ओर से लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कारों के लिए पंजीकरण और आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि 15 नवंबर निर्धारित की गई है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग की ओर से वर्ष 2006 में लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार नाम से एक योजना शुरू की थी, जिसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के जिलों व संगठनों द्वारा किए गए असाधारण और अभिनव कार्यों को स्वीकार करना, मान्यता देना और पुरस्कृत करना है।

मर्सी चांस परीक्षाओं के लिए 16 तक आवेदन

मीरपुर। इंदिरा गांधी विवि की ओर से विवि शैक्षणिक विभागों एवं आईजीयू से संबद्ध सभी महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर शैक्षणिक सत्र 2017-18 से आगे के बैचों के विद्यार्थियों के लिए स्पेशल मर्सी चांस की परीक्षाओं के आवेदन के लिए पोर्टल खोला गया है। परीक्षा नियंत्रक डा. विपुल ने बताया कि विवि प्रशासन ने विद्यार्थियों के हितों को देखते हुए यह निर्णय लिया है। इच्छुक विद्यार्थी स्पेशल एवं मर्सी चांस परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट आईजीयूएसीइन पर 16 नवंबर तक निर्धारित फीस भरकर आवेदन कर सकते हैं। वे विद्यार्थी जो किसी कारणवश पूर्व में परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाए थे, यह अंतिम अवसर प्रदान किया जा रहा है।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता की शिकायत के बाद दोनों पक्षों के बीच आपसी बातचीत से समझौता कराने के प्रयास किए थे। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के बहरामपुर निवासी योगेश को काबू कर लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद रिहा कर दिया गया।

जिले के 43 ड्राइंग अध्यापकों तथा 14 ललित कला के प्राध्यापकों ने लिया भाग

ललित कला व ड्राइंग के अध्यापकों ने कैनवास पर उकेरा प्रकृति का सौंदर्य

■ डाइट हुसैनपुर में 5 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। प्रशिक्षण के समापन पर डाइट स्टाफ के साथ प्राध्यापक व अध्यापक तथा प्रशिक्षण में अपनी कलाकृति दिखाते हुए अध्यापक। फोटो : हरिभूमि

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद हरियाणा गुरुग्राम यानि एससीईआरटी के तत्वावधान में डाइट हुसैनपुर में चल रहे 5 दिवसीय ड्राइंग अध्यापकों व ललित कला के प्राध्यापकों के प्रशिक्षण शिविर का सोमवार को समापन हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के 43 ड्राइंग अध्यापकों तथा 14 ललित कला के प्राध्यापकों ने भाग लिया। जिले के अंग्रेजी विषय के 87 अध्यापकों का तीन दिवसीय 'लैंग्वेज स्किल डेवलपमेंट' प्रशिक्षण का शुक्रवार को समापन हुआ था, जिसमें अध्यापकों को स्पीकिंग, रीडिंग, राइटिंग व लिसनिंग का प्रशिक्षण दिया गया तथा शनिवार से जिले के अंग्रेजी प्राध्यापकों प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। मैथ ओलंपियाड का मंगलवार से 2 दिन का प्रशिक्षण शुरू होगा। डाइट से ट्रेनिंग विंग प्रभारी वरिष्ठ प्राध्यापक डा. बीर सिंह ने कहा कि कला एक ऐसा विषय है, जिसका समावेश प्रत्येक विषय में किसी न किसी रूप में होता है।

नई शिक्षा नीति-2020 में भारतीय कला और संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन बहुत आवश्यक है। यह विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और अभिव्यक्ति को विकसित करता है। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा, जिससे विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को लाभ पहुंचेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डा. सरोज यादव व डा. विजय सिंह ने भी अपने विचार साझा किए। प्रशिक्षण कार्यशाला में सैद्धांतिक के साथ-साथ विषयों पर व्यावहारिक अभ्यास कार्य किया गया। दृश्य कला विषय की विभिन्न विधाओं, विभिन्न प्रकार के रंगों जैसे वाटर कलर, एक्रेलिक कलर व ऑयल पेस्टल से चित्रकारी की नई-नई विधियां सिखाई गई। कैनवास पर पेंटिंग करने के साथ-साथ रेजिन आर्ट व वेस्ट मैटीरियल से कला कृतियां बनाने, मूर्ति कला की विभिन्न विधियों, लेखन कला की विधियों, रंगोली बनान व पदार्थ चित्रण की बारिकियां सिखाई गई। अंतिम दिन सभी अध्यापकों की ओर से बनाए गए चित्रों व कलाकृतियों की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

इन मास्टर ट्रेनरों ने दिया प्रशिक्षण

एससीईआरटी हरियाणा गुरुग्राम से प्रशिक्षण प्राप्त विभिन्न विषयों के मास्टर ट्रेनरों ने अध्यापकों व प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया। टीजीटी अंग्रेजी विषय से प्राध्यापक रमेश कुमार व बबीता यादव डाइट हुसैनपुर, ललित कला से प्राध्यापक जितेंद्र शर्मा रावमावि गढ़ी बोलनी व भावना मसानी स्कूल, ड्राइंग विषय में अध्यापक भूपेंद्र कुमार डूंगरवास व अजीत सिंह हाई स्कूल आसलवास, पीजीटी अंग्रेजी विषय में प्राध्यापक दिनेश शर्मा राकवमावि बावल व पवन कुमारी साल्हावास तथा डाइट के विषय विशेषज्ञ प्राध्यापक सतपाल, अशोक यादव, हवा सिंह व डा. संगीता ने जेनेरिक विषयों पर प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण को सफल बनाने में डाइट संस्थान में कार्यरत शैक्षिक व गैर शैक्षणिक स्टाफ ने भी पूरा योगदान दिया।

रेवाड़ी। बाल विवाह की रोकथाम के लिए दिशा निर्देश देते हुए संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी सरिता शर्मा। फोटो : हरिभूमि

बाल विवाह में न तो शामिल हों और न ही अपनी सेवाएं दें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

■ यदि कम आयु में विवाह किया जाता है तो यह संज्ञेय और गैर जमानती अपराध है

सोमवार को संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी सरिता शर्मा ने पुलिस लाइन में टेंट मालिकों व विवाह से संबंधित अन्य लोगों के साथ बैठक करके बाल विवाह रोकने को लेकर दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विवाह में सेवा देने वाले टेंट, हलवाई, पंडित, केटरर, प्रिंटिंग प्रेस वालों से भी आह्वान किया कि ऐसे किसी भी विवाह कार्यक्रम में न तो शामिल हो और न ही अपनी सेवाएं दें, अन्यथा उनके विरूद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सरिता शर्मा ने कहा कि विवाह के सीजन में बाल विवाह होने का अंदेशा बना रहता है, जो बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अन्तर्गत कानूनी अपराध है। बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत 18 वर्ष से कम आयु की लड़की व 21 वर्ष से कम आयु के लड़के को नाबालिग माना गया है। यदि कम आयु में विवाह किया जाता है तो यह संज्ञेय और गैर जमानती अपराध है, ऐसा कोई भी व्यक्ति जो बाल विवाह कराता है, उसको बढ़ावा देता है या उसकी सहायता करता है, तो 2 साल तक की सजा और 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी ने आमजन से आह्वान किया कि 18 वर्ष से कम आयु की लड़की व 21 वर्ष से कम आयु के लड़के की बाल विवाह से संबंधित कोई भी जानकारी प्राप्त होती है तो वे बाल विवाह निषेध अधिकारी, पुलिस हेल्पलाइन 112, मजिस्ट्रेट या चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचना दे सकते है।

सराहनीय कार्य करने वाली बालिकाएं राष्ट्रीय बालिका दिवस पर होंगी सम्मानित

विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली बालिकाएं 30 नवंबर तक कर सकती आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि राज्य स्तर पर बालिका दिवस पर प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाली बालिकाओं को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर पर खेलकूद में 20 अवार्ड, सांस्कृतिक गतिविधि में 10 अवार्ड, सामाजिक कार्य में 2 अवार्ड, मीडिया एवं साहित्य में 2 अवार्ड, बहादुरी में 3 अवार्ड, दिव्यांग एवं विशेष बच्चें में 5 अवार्ड एवं चाइल्ड केयर संस्थान के बच्चों के लिए 5 अवार्ड घोषित किए गए है। डीसी ने बताया कि आवेदन की शर्तों को पूरा करने वाली बालिकाएं पूर्ण बा यो डा टा , उपलब्धियों सहित अपना आवेदन 30 नवंबर तक जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास कार्यालय पुराना डीसी ऑफिस में जमा कराएं।

डीसी अभिषेक मीणा।

डीसी ने बताया कि खेलकूद गतिविधि में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई भी स्थान एवं जिला खेल एवं युवा विभाग द्वारा अनुशंसा की गई हो। सांस्कृतिक गतिविधि में गाने, संगीत, नृत्य, फोक, कला, पेंटिंग एवं लेखन में अनुकरणीय उपलब्धि। इनमें राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रथम स्थान या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेना एवं जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी द्वारा अनुशंसा की गई हो। इनके अलावा सामाजिक कार्यों, शिक्षा, पौधारोपण एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनुकरणीय उपलब्धि एवं उपायुक्त द्वारा अनुशंसा की गई हो। मीडिया एवं साहित्य के क्षेत्र में अनुकरणीय उपलब्धि एवं उपायुक्त द्वारा अनुशंसा की गई हो।

बहादुरी के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा केंद्र सरकार को भेजे गए नाम। इसके अलावा 60 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांग एवं स्पेशल बच्चे जो अधिकृत संस्था की ओर से जारी किया गया हो तथा शिक्षा, संस्कृति, सामाजिक कार्य, मीडिया एवं बहादुरी के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किया गया हो। चाइल्ड केयर संस्थान में रहने वाली बालिकाओं की ओर से शिक्षा, संस्कृति, सामाजिक कार्य, मीडिया एवं बहादुरी के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य करने पर पुरस्कार दिए जाएंगे।

नंबरदार एसोसिएशन की बैठक आयोजित लंबित मांगें पूरी नहीं होने पर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

सोमवार को बाल भवन में जिला नंबरदार एसोसिएशन की बैठक प्रधान उदयराज राव नंबरदार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस मौके पर उदयराज राव ने कहा कि बीते महिनों में सरकार को कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों, जिला उपायुक्त, एसडीएम एवं तहसीलदार के माध्यम से नंबरदारों की मांगों का ज्ञापन सौंपा गया है, परंतु इन सबके बावजूद भी सरकार नंबरदारों की मांगों को अभी तक पूरा नहीं किया है। ज्ञापन देने के बाद भी मुख्यमंत्री ने राज्य के नंबरदारों की न्यायोचित मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का मौखिक आश्वासन दिया है। एक वर्ष बीत जाने के बाद भी न तो नंबरदारों का राज्य स्तरीय सम्मेलन बुलाने की घोषणा की है और न ही लंबित मांगों को पूरा करने का आदेश जारी किया है। जिला संयोजक सतीश नंबरदार औलांत ने कहा कि आने वाले समय में यदि सरकार नंबरदारों कि न्यायोचित मांगों को पूरा नहीं करती है तो दक्षिण हरियाणा के सभी जिलों का एक नंबरदार सम्मेलन में बुलाया जाएगा।

रेवाड़ी। बाल भवन में बैठक करते हुए नंबरदार।

ये रहे उपस्थित

बैठक में जोगेन्द्र राव, चौ.रामकिशन नंबरदार, जसवंत सिंह नंबरदार बिहारीपुर तहसील प्रधान, प्रदीप नंबरदार तहसील प्रधान डहीना, धर्म सिंह नंबरदार तहसील उपप्रधान, सुन्दर लाल नंबरदार गंगायचा जांट, मोतीलाल ततारपुर, रुपचंद लिसाना, राजरानी महिला नंबरदार मनेठी, दयानंद गुजरीवास, विकास यादव गुरावड़ा, धर्मवीर मुरादपुरी जिला महासचिव व जिला उपप्रधान अर्जुन सिंह नंबरदार बालियर कला सहित अनेक गांवों के नंबरदार उपस्थित थे।

न्यूज डायरी

नितेश कुमार ने सीए की परीक्षा में पाई सफलता

कोसली। कोसली उपमंडल के गांव बव्वा निवासी नितेश कुमार ने सीए की परीक्षा पास की है। गांव बव्वा में पहुंचने पर ग्रामीणों ने नितेश कुमार का फूल मालाओं से स्वागत किया। बव्वा निवासी सूबेदार राजेश कुमार ने बताया हाल ही में दा इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंट ऑफ इंडिया की ओर से घोषित सीए के परिणाम में नितेश कुमार ने 155 अंक हासिल कर परीक्षा उतीर्ण की है। उन्होंने बताया कि नितेश कुमार ने वर्ष 2016 में केंद्रीय विद्यालय फरीदकोट पंजाब से 12वीं कक्षा पास की थी। नितेश कुमार की माता सरोज देवी ने बताया कि नितेश पढ़ाई में शुरू से ही होनहार था। इस मौके पर सूबेदार कमल सिंह, राजीव कुमार, मिसरो देवी, घमंडीलाल, सुभाचंद , भीम सिंह पंच, बबलू पंच, सूबेदार सुरेश कुमार, लालाराम पूर्व पंच, रमेश कुमार व भजनलाल पंच सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

खो-खो में नांगलमूंदी व कबड्डी में सुंदरहेटी की टीम विजेता

कोसली। सुंदरहेटी गांव में भारती एयरटेल फाउंडेशन की ओर से संचालित सत्य भारती स्कूल में संकुल स्तरीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सत्य भारती स्कूल सुंदरहेटी, कोहारड़, नांगल मूंदी व सुर्खपुर गांव के स्कूलों की टीमों ने खो-खो, कबड्डी, ट्रैक दौड़ व कैरम के खेलों भाग लिया। इस अवसर पर चेयरमैन दीपक झांसवां मौजूद थे। खो-खो में प्रथम स्थान पर नांगल मूंदी और दूसरे स्थान पर सुंदरहेटी गांव की टीम रही। कबड्डी में सुंदरहेटी ने प्रथम व नांगल मूंदी की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। ट्रैक दौड़ में कोहारड़ स्कूल से दिशांत, जय, हर्ष, शिवम व अंजलि की टीम विजयी रही। इस अवसर पर रैफरी मनोज कुमार, सत्य भारती स्कूल के क्लस्टर कोआर्डिनेटर सुरेश कुमार यादव, प्रमोद कुमार, विजय सिंह, रेनू, पूनम, कोहराड़ स्कूल से ललित शर्मा व अंबिता देवी, मंजूबाई, मधु व अर्चना सहित अन्य अध्यापक उपस्थित थे।

बौद्ध आचार संहिता उत्सव का आयोजन

रेवाड़ी। सोमवार को धम्म भूमि-श्रेष्ठ जीवन के लिए एक आंदोलन यूनिट की ओर से जिला कार्यालय सेवा स्तंभ डा. भीमराव अंबेडकर पार्क एवं लाइब्रेरी मॉडल टाउन में प्रथम बौद्ध आचार संहिता उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा स्तंभ के केंद्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष व धम्म भूमि जिला प्रतिनिधि भगत सिंह बौद्ध ने की। उत्सव का शुभारंभ बुद्ध वंदना से किया गया। इस मौके पर पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी एडवोकेट राज कुमार जलवा बौद्ध आचार संहिता के उद्देश्यों व उनके जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अमर सिंह बौद्ध, हवा सिंह बोद्ध, नरेंद्र सिंह बौद्ध, नानक चंद, मानसिंह वाडिया, दिनेश कुमार बौद्ध व ईश्वर सिंह सहित अनेक उपासक मौजूद थे।

दिल्ली धमाके के बाद हाई अलर्ट पर पुलिस

रेवाड़ी। 28 देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार सायं हुए बम धमाके बाद जिला पुलिस भी अलर्ट मोड पर आ गई। देर सायं एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने नाकेबंदी के आदेश दिए, जिसके बाद पुलिस ने बाहर से आने वाले वाहनों की चेकिंग शुरू की। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर जिले की सीमा से दिल्ली की दूरी लगभग 70 किलोमीटर ही है। गुरूग्राम के रास्ते बदमाश राजधानी से जयपुर की ओर निकलने के लिए इस मार्ग का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसे में दिल्ली धमाकों के तुरंत बाद एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने जिले में नाकेबंदी करते हुए वाहनों की जांच

■ नेशनल हाइवे पर पुलिस की नाकेबंदी

करने के आदेश दिए। खासकर एनएच-48 पर वाहनों की संघन जांच करने के आदेश दिए गए। इसके बाद पुलिस देर रात तक दिल्ली की ओर से जिले की सीमा में प्रवेश करने वाले वाहनों की चेकिंग करती रही। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि राजधानी में धमाके बाद जिस पुलिस को पूरी तरह अलर्ट कर दिया गया है। बाहर से आने वाले संदिग्ध वाहनों और लोगों की जांच के आदेश दिए गए हैं।

सरकारी अस्पताल बनाने को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

■ वर्तमान में सिविल हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर काफी भीड़ भाड़ क्षेत्र में है

शहर के नागरिकों ने सोमवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी के नाम डीडीपीओ एचपी बंसल को ज्ञापन सौंपकर एनएच-71 स्थित गांव भगवानपुर की 7 एकड़ 7 कनाल 9 मरला जमीन पर सरकारी अस्पतला व ट्रामा सेंटर बनाने की मांग की। शहरवासियों ने कहा कि वर्तमान में सिविल हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर काफी भीड़ भाड़ क्षेत्र में है। चारों तरफ शिक्षण संस्थाएं व बैंक है तथा अस्पताल लो लेवल पर होने के कारण बरसात में काफी जलभराव हो जाता है। ट्रामा सेंटर एवं सिविल हॉस्पिटल के बीच सड़क भी सिकुड़ी हुई है, जिससे यातायात ज्यादा होने के कारण मरीजों का आवागमन बाधित होता है। चारों तरफ घनी आबादी है तथा 300 बेड का हॉस्पिटल बनाने के लिए भी जगह कम है। नागरिकों ने कहा कि इन तमाम पहलुओं को देखते हुए 2019 में हरियाणा सरकार ने यहां से अस्पताल शिफ्ट करने का सही फैसला लिया था, परंतु अब शिफ्टिंग का विरोध करना आमजन के लिए स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से गलत है। उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन ने जनहित में भगवानपुर की जमीन का चयन किया था। एनएच-71 के साथ दिल्ली, जयपुर व रोहतक की मेडिकल सुविधाओं के लिए कनेक्टिविटी भी है।

रेवाड़ी। डीडीपीओ को ज्ञापन देते हुए शहरवासी। फोटो : हरिभूमि

इस मौके पर ये रहे उपस्थित

इस मौके पर लालचंद, सूबेदार सतीश, लेफ्टिनेंट राजाराम, अनूप सिंह, मीर सिंह विजयनगर, सूरत सिंह विजयनगर, रिटायर्ड मुख्याध्यापक हरिओम, विजय सिंह, अभय सिंह अर्जुननगर, परमानंद मधुविहार, जगदीश साधुनगर, पुनीत, सतीश यादव, राजेश, राकेश आनंद नगर, रामफल यादव, मंजीत सिंह, कृष्णकुमार, प्रवक्ता कृष्ण कुमार, बीरेंद्र यादव, यशपाल, दौलतराम व अशोक कुमार सहित काफी संख्या में नागरिक मौजूद थे। नागरिकों ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर शहर के घर-घर जाकर अभियान चलाया जाएगा। ग्रामीण भी 147 दिन से स्वास्थ्य के मुद्दे को लेकर आंदोलन कर रहे है। स्वास्थ्य मंत्री संघर्ष कमेटी से बातचीत करके तुरंत सकारात्मक कदम उठाए।

आरडीएस गर्ल्स कॉलेज ने युवा महोत्सव में आठ पुरस्कार जीते, छात्राएं हुई सम्मानित

रेवाड़ी। कालाका रोड स्थित आरडीएस पब्लिक गर्ल्स कॉलेज में सोमवार को हाल ही में केएलपी कॉलेज में सम्पन्न हुए जोनल यूथ फेस्टिवल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डा. दलबीर सिंह यादव व स्टाफ ने छात्राओं को विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए बधाई दी। इस यूथ फेस्टिवल में महाविद्यालय की 30 छात्राओं ने 19 विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ पुरस्कार प्राप्त किए। कॉलेज ने नुक्कड़ नाटक और पंजाबी कविता में प्रथम स्थान, संस्कृत वाद-विवाद में द्वितीय स्थान, अंग्रेजी वाद-विवाद, रीतियों की प्रस्तुति तथा हरियाणवी कविता में तृतीय स्थान तथा उर्दू कविता और हिंदी वाद-विवाद में चतुर्थ स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इस सफलता में संस्कृतिक समिति की संयोजक मिथिलेश यादव तथा सदस्य डा. पिंकी शर्मा, डा. परवीन क्रांति शर्मा और रेनु यादव का सराहनीय योगदान रहा।

फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम के कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए ड्रा आज

दिनेश शर्मा, सहायक कृषि अभियंता

रेवाड़ी। आरकेवीआई योजना के घटक फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम के तहत कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए डीसी अभिषेक मीणा की अध्यक्षता में 11 नवंबर को दोपहर 12 बजे दूसरे ऑनलाइन ड्रा के माध्यम से किसानों का चयन किया जाएगा सहायक कृषि अभियंता दिनेश शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के घटक फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम के तहत कृषि यंत्रों पर अनुदान उपलब्ध कराने के लिए 20 अगस्त तक विभागीय पोर्टल एग्रीहरियाणा.जीओवी.इन पर ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे, जिसमें जिले के 234 किसानों ने आवेदन किया था। 4 नवंबर को पहला ड्रा किया गया था, जिसमें से 85 किसानों का चयन किया गया था, लेकिन अब सरकार की हिदायतों के अनुसार बचे हुए शेष 149 आवेदित किसानों में से निर्धारित लक्ष्य अनुसार लाभार्थियों के चयन के लिए दूसरा ऑनलाइन ड्रा जिला स्तरीय कार्यकारिणी कमेटी की ओर से निकाला जाएगा तथा चयनित किसानों को कृषि यंत्रों पर 50 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।

वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में जिले में दर्ज कुल अपराधों में 18.6 प्रतिशत की कमी आई

गत वर्ष की अपेक्षा पुलिस की अपराध नियंत्रण में सफलता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में जिला पुलिस ने वर्ष 2025 में अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में जिले में दर्ज कुल अपराधों में 18.6 प्रतिशत की कमी आई है। जिले में वर्ष 2024 के दौरान कुल 3932 मामले दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 3201 रह गई। पुलिस की वर्कआउट दर 68.1 प्रतिशत और गिरफ्तारी दर 105.9 प्रतिशत रही। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिला पुलिस की ओर से निरंतर अभियान, आधुनिक तकनीक के उपयोग और जनता के सहयोग से अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण किया गया है। आने वाले समय में भी कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

गत वर्ष की अपेक्षा अपराधों में कमी

वर्ष 2024 में 1151 की तुलना में 2025 में 1070 मामले दर्ज हुए यानि 7 प्रतिशत की कमी रही। हालांकि हत्या के मामलों में 29 से 30 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई, लेकिन 90 प्रतिशत मामलों का निपटारा किया गया। वही हत्या के प्रयास के मामलों में 34.8 प्रतिशत की कमी आई।

महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में भी कमी

वर्ष 2024 के 366 मामलों की तुलना में 2025 में केवल 205 मामले दर्ज हुए। दुष्कर्म के मामलों में 61.5 प्रतिशत व किडनैपिंग-अबडक्शन में 71.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। 498ए यानि पति या ससुराल पक्ष द्वारा क्रूरता में के मामलों में भी 32.9 प्रतिशत की कमी रही। इन मामलों की वर्कआउट दर 99.5 प्रतिशत रही।

संपत्ति से जुड़े अपराधों में गिरावट

वर्ष 2025 में 885 मामले दर्ज हुए, जो 2024 की तुलना में 23.5 प्रतिशत कम हैं, जिसमें वाहन चोरी में 7 प्रतिशत कमी, घरों में सेंधमारी में 30 प्रतिशत कमी व लूट में 70.8 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

विशेष अधिनियमों के तहत कार्रवाई

एनडीपीएस एक्ट के मामलों में 16.7 प्रतिशत की कमी, आर्म्स एक्ट में 51 प्रतिशत की वृद्धि व एक्साइज एक्ट में 17.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इन मामलों की वर्कआउट दर 92.3 प्रतिशत रही।